अंधेरे को मत कोसो टॉर्च जलाओ

अभिनव राजस्थान पार्टी

चुनाव चिन्ह

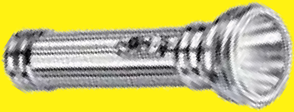

टॉर्च

राजस्थान की अपनी पार्टी

(हम अपनी इस योजना के पक्ष में एक कानूनी दस्तावेज एफिडेविट के साथ जनता को समर्पित करेंगे। अगर हम ये काम तय समय में नहीं कर पाते हैं तो कोई भी वोटर सक्षम न्यायालय में जाकर केस कर सकेगा कि उसका वोट खराब हुआ है और उसके साथ धोखा हुआ है।)

अभिनव राजस्थान है काई

अभिनव राजस्थान, राजस्थान की ऐसी व्यवस्था का नाम है, जिसमें एक औसत परिवार की आमदनी इतनी होगी कि वह वर्तमान महंगाई के स्तर पर भी एक शानदार जीवन जी सकेगा। यह कोई सत्ता परिवर्तन का प्रयास नहीं है बल्कि राजस्थान में एक नई और स्थानीय व्यवस्था को स्थापित करने का काम है। इस व्यवस्था की दो प्रमुख विशेषताएँ होंगी–असली लोकतंत्र और असली विकास। असली लोकतंत्र वह, जिमसें पग पग पर शासन आपको अपना लगे। असली विकास वह, जो आपको अपने घर में, गली में महसूस हो। ऐसे राजस्थान के निर्माण के लिए हमारी पूरी योजना आंकड़ों पर, अनुभव पर और विस्तृत अध्ययन पर आधारित है, हवा में नहीं है। आप देखें, परखें, मानें, फिर समर्थन करें।

अभिनव राजस्थान 2018 के विधानसभा चुनाव में आपके सामने पार्टी के रूप में प्रस्तुत होगा।

1 थांको राज, थें महान्

अभिनव राजस्थान में जैसे ही आप किसी ऑफिस में जायेंगें, वहां के अधिकारी-कर्मचारी खड़े होकर आपको नमस्कार करेंगे, जैसे आप कोई MLA/MP हों। वे आपसे बैठने को कहेंगे और आप से पूछेंगे कि वे आपका क्या सहयोग कर सकते हैं। ऐसा क्यों? क्योंकि आपके द्वारा दिए गए टैक्स से ही उनको तनख्वाह मिलती है। आप ही सरकार के असली मालिक हो। असली लोक का तंत्र यही होता है। आपकी इज्जत करना उनका फर्ज बनता है। वे यहाँ आप पर रौब मारने या आपके वाजिब काम में टांग अटकाने के लिए नहीं बैठाये गए हैं। गुलामी के उस जमाने को अब भूलना होगा।

लेकिन नागरिकों को भी जिम्मेदार रहना होगा। कायदे से किसी ऑफिस में जाना होगा, तय समय पर । ऐसा नहीं कि जब मन चाहा और चले गए । लोक और तंत्र दोनों को जिम्मेदारी से काम करना होगा, तभी तंत्र व्यवस्थित चलेगा।

2 शासन में सब साफ-साफ दीखेला, भ्रष्ट होबो मुश्किल हो जावेला

सूचना का अधिकार अधिनियम की धारा 4 को पूरे मनोभाव से लागू कर दिया जायेगा । ऐसा होते ही शासन की सभी खास खास बातें और कामकाज आपको साफ दिखाई देंगे। यह धारा कहती है कि सभी विभागों को अपनी वेबसाइट पर अपने सभी प्रकार के कामकाज को जनता की जानकारी के लिए रख देना चाहिए ताकि छोटी छोटी जानकारी के लिए सूचना के अधिकार से आवेदन न करना पड़े। जनता को अधिकार है कि उसे मालूम रहे कि उसके पैसे से चलने वाले राज में क्या हो रहा है। यह छुपा छुपी अब बहुत हो ली।

अँधेरे में चोरियां होती हैं। जब लाइट हो जाएगी तो कोई कैसे चोरी करेगा? ऐसा होने पर लापरवाही और भ्रष्टाचार की गुंजाइश कम हो जाएगी । इन बीमारियों का यही स्थाई समाधान होगा ।

3 एकदम सरल राज रो हिसाब किताब (बजट)

सरकार के बजट में एक वर्ष में राजस्थान में क्या किया जायेगा, यह लिखा होता है। परन्तु जटिल भाषा में होने से आमजन की इसमें कोई रुचि नहीं होती है। जबकि यह हमारे जीवन को प्रभावित करने वाला महत्वपूर्ण दस्तावेज है। इसलिए, अभिनव राजस्थान में बजट को इतनी सरल भाषा में पेश किया जायेगा, कि कोई भी साधारण पढ़ा लिखा व्यक्ति इसे पढ़कर जान लेगा कि उसके गाँव, शहर या जिले में इस साल क्या खास काम होने वाले हैं।

साथ ही यह इंतजाम भी होगा कि यह बजट लागू करने की अधिकतर जिम्मेदारी जिला परिषदों के पास हो। तभी बजट जिले की प्राथमिकताओं के अनुसार और समय पर खर्च हो पायेगा।

यही नही वित्त वर्ष की पहली तारीख को ही सारी रकम अधिकारियों के पास होगी। विकास की योजनाओं को लेकर किसी भी तरह का भ्रम नही रहेगा।

4 इस्यो होवेलो, आपणों बजट (2019-20)

A कुल रकम–लगभग दो लाख चालीस हजार करोड़ रूपये

B इसमें से तनख्वाह, पेंशन,भत्ते – लगभग पचास हजार करोड़ रूपये

C उधार एवं उस पर ब्याज गया – छब्बीस हजार करोड़ रूपये

D शराब की बिक्री नहीं करने, गाड़ियों का टैक्स नहीं लेने और रजिस्ट्री का शुल्क नहीं लेने से गए– लगभग बीस हजार करोड़ रूपये। (अभी इनका अवैध कारोबार और रिश्वत है– पचास हजार करोड़ रूपये !)

E युवाओं एवं विद्यार्थियों के लिए विशेष बजट– पन्द्रह हजार करोड़ रूपये (दस हजार युवाओं को एक करोड़ रूपये प्रति युवा एवं कॉलेज के विद्यार्थियों को पाँच हजार रूपये प्रतिमाह)

F शहरों के लिए विशेष बजट – दस हजार करोड़ रूपये।

G प्रत्येक जिले के लिए बजट – तीन हजार करोड़ रूपये (लगभग एक लाख करोड़ रूपये)

1. जिले में पहले साल पांच सौ गाँवों को विशेष खेती के लिए एक हजार करोड़।
2. दो सौ गाँवों में पशुपालन के लिए चार सौ करोड़
3. दो सौ गाँवों में कारीगर जातियों के लिए चार सौ करोड़
4. दो सौ सीनियर स्कूलों के लिए दो सौ करोड़
5. बीस अस्पतालों के लिए सौ करोड़
6. पांच सौ किमी सड़कों के लिए पांच सौ करोड़
7. चार सौ करोड़ रूपये समाज कल्याण, राशन, खेलकूद – मनोरंजन के लिए।

H बाकी बचे बीस हजार करोड़ रूपये – अकस्मात एवं गैर योजनागत आवश्यक कार्यो के लिए।

5 आमदनी गिणीजेला हर गाँव री, हर शहर री

अभी सरकारें जब विकास की गति बताती हैं तो यह पता नहीं चलता है कि इस विकास में हमारा गाँव या शहर भी गिना गया है या नहीं। तभी तो अखबारों और चैनलों के विज्ञापनों में देश और प्रदेश आगे बढ़ता नजर आता है पर हमारा गाँव या शहर वहीं खड़ा दिखाई देता है। इस धोखे से अभिनव राजस्थान मुक्ति दिलाएगा। अब हम हर गाँव और शहर की आमदनी (जी.डी.पी.) गिन लेंगे ताकि एक साल के बजट को खर्च करने के बाद इस आमदनी में बढ़ोतरी का पता चल सके। यह आसान काम है। ऐसा होने पर ही असली विकास की अपनी यात्रा शुरू होगी।

अभिनव राजस्थान में विकास हमें अपने घर में, गली में, गाँव में, शहर में दिखाई दे जाएगा। हमारे परिवार को विकास महसूस हो जायेगा। तभी हमें लगेगा कि हम जो वोट दे रहे हैं, उसका कोई स्पष्ट अर्थ निकल रहा है।

6 न हवाईजहाज न बंगला, 'राज' अब घणो हुयो

अभिनव राजस्थान में सरकारी हवाईजहाज और हेलिकॉप्टर अब केवल आकस्मिक सेवाओं और दुर्घटनाओं में तुरंत राहत के लिए काम आयेंगे। अब इनका दुरूपयोग मुख्यमंत्री या मंत्री नहीं करेंगे। ऐसा कोई काम नहीं होता, जिसके लिए इनके उड़कर जाने से कोई फायदा होता हो। इसलिए अब इनका कंट्रोल चिकित्सा और पुलिस विभाग के पास होगा। किसी भी दुर्घटना के समय जयपुर-जोधपुर-उदयपुर में रखे हेलिकोप्टर तुरंत उड़ेंगे और गंभीर घायलों को ट्रौमा सेंटर तक पहुंचाएगे। राजस्थान के प्रत्येक नागरिक का जीवन बचाना शासन की प्राथमिकता होगी।

राजतंत्र के प्रतीक बंगले अब किसी भी शहर में नहीं दिखाई देंगे। मुख्यमंत्री-मंत्री और अधिकारी अब क्वाटर्स में रहेंगे। हाँ, उनकी सुविधाओं में कोई कमी नहीं होगी। बंगलों की खाली हुई जगह अब जन सुविधाओं के विस्तार के लिए काम ली जाएगी।

7 ग्यारह संभाग होसी, भूगोल अर संस्कृति रे हिसाब सूं

राजस्थान के प्रशासन को बेहतर बनाने के लिए अब कुल ग्यारह संभाग होंगे, जो भौगोलिक-सांस्कृतिक समानताओं के आधार पर होंगे।

ये संभाग होंगे - सरस्वती (बीकानेर-गंगानगर-हनुमानगढ़), शेखावाटी (सीकर- चुरू-झुंझुनूं), मरुधर (जोधपुर-बाड़मेर-जैसलमेर), गोड़वाड़ (पाली-जालोर-सिरोही), मेरवाड़ा (अजमेर- नागौर-भीलवाड़ा), ढूंढाड़ (जयपुर-दौसा-टोंक), मत्स्य (भरतपुर-अलवर), डांग (करौली- सवाई माधोपुर-धौलपुर), हाड़ौती (कोटा-बूंदी-बारां- झालावाड़), मेवाड़ (उदयपुर-चित्तौड़गढ़-राजसमन्द) और वागड़ (बाँसवाड़ा-डूंगरपुर-प्रतापगढ़)। नए संभाग बनाने में फंड बहुत ही कम चाहिए होता है, लाभ अधिक होगा।

अभिनव राजस्थान में संभाग, योजना बनाने की इकाई होंगे, जिले उनको लागू करेंगे। नीतियाँ जयपुर में बनेगी।

8 सब अफसर बराबर हैसियत राखसी

समाज के लिए सभी विभागों का काम महत्वपूर्ण होता है लेकिन अभिनव राजस्थान में कृषि, पशुपालन, शिक्षा, चिकित्सा और कुटीर उद्योग को पहले पायदान पर रखा जायेगा। हमारे लिए आज की तारीख में प्रदेश का उत्पादन बढ़ाना और शिक्षा-चिकित्सा को संभालना सबसे अधिक जरूरी होगा। इसके बाद प्राथमिकता में बिजली, सड़क, पानी, सुरक्षा, भू-प्रबंध, समाज कल्याण, खनिज और वन विभाग होंगे।

पर, जिले की समन्वय बैठक में सभी विभागो के अफसर समान हैसियत से भाग लेंगे। कोई छोटा बड़ा नही होगा। साथ ही, कोई भी विभाग दूसरे विभाग के मामले में दखल नहीं देगा। भू-प्रबंध (कलेक्टर- एस.डी.एम.) विभाग वाले स्कूल-अस्पताल में नहीं झांकेंगे तो पुलिस वाले वन, खनिज या परिवहन विभाग के काम से दूर रहेंगे। पंचायतें-नगरपालिकाएं सडकें नहीं बनाएंगी, वह काम पी.डब्लू.डी. ही करेगा।

9 टेमोटेम अर साफ सुथरा ट्रांसफर, प्रोमोशन अर भर्ती

ट्रांसफर के लिए तो अभिनव राजस्थान में क़ानून ही बन जायेगा। नीति से काम नहीं चल रहा है। अभी नीति के नाम पर अनीति ज्यादा हो रही है ! क़ानून बन जाने के बाद तय समय से पहले किसी कर्मचारी-अधिकारी को हटाना मुश्किल हो जायेगा।

यह भी तय होगा कि हर चार साल में एक प्रमोशन हर कर्मचारी को मिल जाये। इससे सरकारी जीवन में गति रहेगी। विभागीय परीक्षाओं से विशेष प्रमोशन भी होंगे ताकि प्रतिभा आगे बढ़े और समाज को उसका लाभ मिले। कोई योग्य सब- इंस्पेक्टर, विभागीय परीक्षा देकर सीधा आर.पी.एस. में जाये तो क्या हर्ज है ?

इसके साथ यह भी सुनिश्चित होगा कि जितने पद खाली होते हैं, उनके लिए पहले से नियत समय पर भर्ती हो जाये। प्रति वर्ष सितम्बर का महीना भर्ती के काम के लिए फिक्स ही रहेगा।

10 आपणी पुलिस, सांतरी पुलिस

1. राजस्थान में अब लगभग पांच सौ पुलिस स्टेशन होंगे। एक पंचायत समिति पर एक स्टेशन होगा जो सभी सुविधाओं से लेस होगा। आसपास के थाने और चौकियां इसमें मिला दिए जायेंगे। एक स्टेशन पर लगभग सौ कर्मचारी होंगे।
2. जांच की टीम को कानून–व्यवस्था की टीम से अलग कर दिया जायेगा।
3. पुलिसकर्मी अन्य कर्मचारियों की तरह केवल आठ घंटे की ड्यूटी करेंगे। 24 घंटे ड्यूटी वाली अंग्रेजी स्टाइल को अब बदल ही दिया जायेगा।
4. पुलिस अब डर का नहीं सुरक्षा और अपनत्व का भाव देगी।
5. पुलिस अधिनियम, 2007 को इसके मूलभाव से लागू कर दिया जायेगा।
6. पुलिस अब पीड़ित पक्ष के घर जाकर एफ.आई.आर. लिखेगी। थानों के चक्कर काटने की जरूरत नहीं होगी। यही नहीं, हर हफ्ते पुलिस, पीड़ित को घर जाकर बताएगी कि उसके केस में कितनी प्रोग्रेस हुई है।

11 गाड़ी रे साथे कागज राखण री जरुरत कोनी होसी

अभी आप गाड़ी चलाते हो और पुलिस हाथ दे दे तो तनाव हो जाता है। 'गाड़ी साइड लगाओ', 'साहब के पास चलो', का व्यवहार होता है। किसी न किसी कमी से चालान काट ही देना पुलिस का लक्ष्य होता है। अगर कागज आपके पास नहीं हो तो जैसे आपने कोई भारी जुर्म कर दिया हो।

तकनीक के इस जमाने में भी आपको अपनी गाड़ी के कागज साथ लेकर चलने की क्या जरूरत है? सारी जानकारी मोबाइल-कंप्यूटर में रखी जा सकती है। इसलिए अभिनव राजस्थान में आपकी गाड़ी रोकने पर आपको पूरा सम्मान दिया जायेगा। फिर गाड़ी के नंबर को विभाग के टेबलेट में डालकर चैक कर लिया जायेगा कि गाड़ी चोरी की तो नहीं है या कि आपका लाइसेंस इश्यु हो रखा है या नहीं।

अभिनव राजस्थान में गाड़ियाँ पुलिस चैक नहीं करेगी। यह काम परिवहन विभाग का है, वही करेगा।

12 टोल मुक्त, एक्सीडेंट मुक्त सड़कां होवेली

1. प्रदेश सरकार की किसी भी सड़क पर टोल नहीं लगेगा।
2. अभिनव राजस्थान में सड़कें सार्वजनिक निर्माण विभाग के स्थानीय इंजीनियर्स ही बनायेंगे। उनके पास पूरी पावर और पैसा होगा। ठेकेदार भी स्थानीय होंगे। बड़े और बाहरी ठेकेदारों की मनमानी और लूट से राजस्थान मुक्त हो जायेगा।
3. कोई भी सड़क पूरे दस साल के हिसाब से बनेगी और इसके दोनों ओर पेड़ आवश्यक रूप से होंगे। पानी की एक बूँद भी सड़क पर नहीं टिकेगी और यह पानी आसपास के गाँवों के लिए नाले बनाकर सुरक्षित कर दिया जायेगा।
4. हर दस किमी पर कैमरे होंगे जो वाहनों की गति कंट्रोल करेंगे। मुख्य मार्गों पर हर पचास किमी पर एक आधुनिक सुविधा केंद्र होगा, जो ड्राइवर्स और यात्रियों के काम आएगा।
5. प्रदेश में घटी एक एक दुर्घटना का रोज के रोज लेखा जोखा होगा ताकि इनकी संख्या में कमी हो सके।

13 ट्रक, बस अर टैक्सी ड्राइवरां रो पूरो मान होसी

हम मानते हैं कि ट्रक, बस और टैक्सी चलाने वाले ड्राईवर आर्थिक मोर्चे के सैनिक हैं। घर छोड़कर, दूर जाकर, रिस्क लेकर, समाज को परिवहन की सुविधाएँ देते हैं। लेकिन अभी तो इनके साथ पुलिस और परिवहन विभाग द्वारा दोयम दर्जे का और अपराधियों जैसा व्यवहार किया जाता है। यह क्या बात हुई।

अभिनव राजस्थान में ऐसा कतई नहीं होगा। ड्राइवर्स को पूरा सम्मान मिलेगा। मुख्य मार्गों पर हर पचास किमी पर इनको उचित दर पर खाने-नहाने-सोने की आधुनिक सुविधाएँ मिलेंगी। साथ ही दुर्घटना में घायल होने पर इनका इलाज सरकार करवाएगी। मौत होने पर सरकार द्वारा करवाए गए उनके बीमे से तुरंत परिवार को सहायता दी जाएगी।

लेकिन वाहन गति और यात्री सुरक्षा के नियमों में उनको कोई छूट नहीं होगी।

14 पाणी ही पाणी व्हेला राजस्थान में

राजस्थान में पानी की कमी नहीं है, जैसा रोना अक्सर रोया जाता है। पचास से.मी. से अधिक सालाना बारिश का औसत कम नहीं होता है। असल समस्या पानी के प्रबंध की है। हर छत पर, हर खेत में और सड़क–रास्ते–गोचर में बरसा पानी सहेजने में अभी तक हम नाकाम रहे हैं। इसलिए अभिनव राजस्थान में पानी से जुड़े सभी विभागों को एक करके हर गाँव और शहर के पानी का पुख्ता इंतजाम होगा। पानी के सभी साधनों को आपस में जोड़ दिया जायेगा, ताकि सिंचाई और पीने का पानी पर्याप्त हो। तालाबों और झीलों के पानी को फिर से गाँवों और शहरों के पीने के काम में लिया जायेगा। इसके लिए नए सिरे से पाइपलाइन बिछेगी और पानी साफ रखने के सिस्टम लगेंगे। पानी बचाने को भी फैशन बनाया जायेगा।

15 सस्ती बिजली, पूरी बिजली मिलेली

राजस्थान की बिजली व्यवस्था जब से निजी हाथों में चढ़ी है, इसका कबाड़ा हो गया है। कम्पनियां बनाई तो अच्छे के लिए थीं, पर हुआ उसका उल्टा। इन कंपनियों और ठेकेदारों ने प्रदेश को एक लाख करोड़ रूपये के नीचे दे दिया। बेचारे सरकारी कर्मचारी ठीक काम कर रहे थे। उनको चोर बताकर डाकुओं के हाथ में चाबी दे दी गई!

अब फिर से राजस्थान में पुरानी व्यवस्था होगी, जिसमें इंजीनियरों पर पूरा विश्वास किया जायेगा।

बिजली व्यवस्था आधुनिक होगी और पारदर्शी होगी। बिजली खरीद से लेकर बेचान तक, हर चीज साफ दिखाई देगी तो बिजली की दरें अपने आप कम हो जाएँगी। घरेलू उपभोक्ता, किसान और उद्यमी, सभी को बड़ी राहत मिलेगी।

साथ ही सौर, वायु और जैविक ऊर्जा की क्रांति से स्थाई समाधान होगा।

16 प्राइवेट ही प्राइवेट अब नी चालेला

पिछले तीस सालों से एक अजीब राग देश में छिड़ा है। कहा गया है कि सरकारी कर्मचारी चोरियां करते हैं, इसलिए सरकारी सेवाओं को निजी हाथों में दिया जाना चाहिए। जैसे निजी लोगों और कंपनियों के पास तो भगवान के घर से जारी राष्ट्रभक्ति और ईमानदारी का प्रमाणपत्र है! इस घालमेल में छोटी मोटी चोरियों की जगह डाकों का रास्ता खुल गया है। ठेके पहले दारु के होते थे पर अब तो पूरा जीवन ही जैसे ठेके पर दे दिया गया है। हद हो गई, जब पिछले दिनों सरकारी स्कूल–अस्पताल भी ठेके पर देना शुरू हो गया। इस चक्कर में जनता भी लुट रही है तो सरकारी खजाना भी खाली होता जा रहा है। अन्दर ही अन्दर पैसा रिस रहा है। इस लूट को अब रोका जायेगा और फिर से सभी सरकारी सेवाओं को सरकारी बनाया जायेगा।

17 बीमारी को पक्को ईलाज गंभीर बीमारी रो विशेष ध्यान

राजस्थान में हर पंचायत समिति स्तर पर स्थित अस्पताल में आठ प्रकार के विशेषज्ञ डॉक्टर हर हाल में होंगे। मेडिसिन, सर्जरी, महिला रोग, बाल रोग, आँखों के, हड्डियों के, गले के और बेहोशी के। यह अस्पताल चौबीस घंटे काम करेगा। गाँवों के सभी अस्पताल यानी पी.एच.सी. इसमें मिला दिए जायेंगे। इस व्यवस्था के लिए विशेष फंड बजट में रखा जायेगा, जिसका वर्णन पीछे बजट वाले पेज पर किया गया है।

इसके साथ ही अजमेर में एक सुपर स्पेशलिटी अस्पताल होगा, जहां गंभीर बीमारियों जैसे हार्ट रोग, किडनी रोग, कैंसर रोग, ब्रेन हेमरेज आदि का इलाज निःशुल्क और सभी आधुनिक सुविधाओं के साथ किया जायेगा। कोई परिवार अब इन बीमारियों के इलाज के चक्कर में बर्बाद नहीं होगा, न कर्ज लेगा, न सोना या खेत बेचेगा।

18 कीचड़ और कचरो गाँव में नी दीखेला

अधिकतर गाँवों में आज भी कीचड़ एक भारी समस्या है। समस्या के साथ यह एक आग भी है, जिसमें कोई भी शासन हाथ नहीं डालना चाहता है। सभी की एक जिद होती है कि मेरे घर के पास से नाली न गुजरे! और नाली हवा में हो नहीं सकती! लेकिन जमीन में तो हो सकती है न? जी हाँ, अभिनव राजस्थान में सभी गाँवों में प्राथमिकता से शहरों की तरह अंडरग्राउंड नालियाँ और सीवरेज सिस्टम होगा। हर गाँव में ट्रीटमेंट प्लांट होगा और इससे शुद्ध हुआ पानी पेड़ो की सिंचाई के काम आएगा। गंदे पानी के साथ ही बारिश के पानी को भी इस सिस्टम से विशेष तालाब में सहेजा जायेगा।

कीचड़ मुक्त होने पर गाँवों की सुन्दरता तो बढेगी ही, मच्छरों के कारण होने वाले रोगों पर भी नियन्त्रण हो जायेगा। मलेरिया के बुखार वाले मरीज दिखाई नहीं देगें। शहरों की तरह गाँव में अब सफाई करने वालों को न्यूनतम मजदूरी की दर से मानदेय भेंट किया जायेगा।

19 शिक्षक रो सम्मान होसी

यह बात तय है कि जिस समाज में शिक्षक का अधिक मान सम्मान होता है, वह समाज प्रगति की राह पर स्वतः ही चल देता हैं। लेकिन पिछले कुछ दशकों में भारत में, राजस्थान में, शिक्षक को अन्य सरकारी कर्मचारियों की तरह मान लिया गया है और उसके सम्मान में कमी हुई है। अभिनव राजस्थान इस कमी को दुरूस्त करेगा। शिक्षक अब फिर से समाज को नेतृत्व देंगे। स्कूलों को चैक करने अब कलक्टर या एस.डी.एम. नहीं जाएंगें। बल्कि शिक्षा अधिकारी अब तहसीलों, थानों और सरकारी कार्यालयों को चैक करेंगे और देखेंगे कि राजस्थान की स्कूलों से निकले प्रोडक्ट्स जनता को सहयोग करने लायक बने हैं या नहीं। शिक्षक और चिकित्सक अभिनव राजस्थान के समाज में शीर्ष पर होंगे, क्योंकि सभ्यता का नियम यही है।

20 मायड़ भाषा में शुरुआती पढाई, बस्ता रे बोझ बिना

इस धरती पर राजस्थान ही एक जगह है, जहां प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा में नहीं दी जाती है। जबकि शिक्षा मनोविज्ञान यह स्पष्ट रूप से कहती है कि बच्चे की प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा में होने से उसकी समझ अधिक और जल्दी बढ़ती है। मातृभाषा वह, जो बच्चे की मां बोलती है। इसलिए अभिनव राजस्थान में प्रारंभिक शिक्षा राजस्थानी भाषा में दी जाएगी। संभागों की बोलियों में फर्क को एडजस्ट कर दिया जायेगा। वैसे भी अभिनव राजस्थान में प्रारंभिक शिक्षा, संभाग का ही विषय होगा।

अभिनव राजस्थान में हर क्लास के लिए किताबें महीने के अनुसार छपेंगी ताकि बस्ते का बोझ कम हो जाये। उदाहरण के तौर पर सातवीं क्लास की जनवरी की किताब में दो चेप्टर हिंदी के, दो अंग्रेजी के, दो विज्ञान के, दो सामाजिक विज्ञान के, दो गणित के होंगे।

21 बारिश रा मौसम में खास छुट्टियाँ

तीन कारणों से राजस्थान में छुट्टियाँ बारिश के दिनों में दो महीने के लिए होंगी। पहला, शिक्षा मनोविज्ञान कहती हैं, कि छुट्टियाँ सुहावने मौसम में हों ताकि बच्चे नई ऊर्जा से भर सकें। बारिश का मौसम सुहावना होता है। दूसरा आर्थिक कारण है। राजस्थान के अधिकतर परिवार खेती, पशुपालन और मजदूरी से गुजारा करते हैं। बारिश में उनका सबसे अधिक काम रहता है और परिवार के छोटे बड़े सभी सदस्य काम में हाथ बंटाते हैं। तीसरा कारण, इस मौसम में खेत पर गये परिवार के घर पर अकेली छूट गई बच्चियों की सुरक्षा का है।

गर्मियों में छुट्टियों की यह व्यवस्था अंग्रेज अपने हिसाब और सुविधा से कर गए थे! हमें अब व्यवस्था को स्थानीय आवश्यकता के अनुसार बदलना है। इस परिवर्तन से बारिष के सीजन में अधिक ड्रॉप आउट की समस्या भी नहीं रहेगी।

22 स्कूल में अब मिड-डे-मील नहीं होवेला

प्रारंभिक स्कूल की पढ़ाई की व्यवस्था का इस मिड-डे-मील ने कबाड़ा कर दिया है। माना कि सभी बच्चों का पोषण बढ़िया रखना शासन और समाज का फर्ज है पर इसका अर्थ पढ़ाई बर्बाद करना तो नहीं है। अभी स्कूल के इंस्पेक्टर, केवल मिड-डे-मील के बारे में पूछते हैं, पढ़ाई के बारे में नहीं। यह शर्मनाक स्थिति है। अभिनव राजस्थान में हम मिड-डे-मील को स्कूल केम्पस से बाहर करेंगे। ग्राम पंचायत केवल बच्चों की ही नहीं, गरीब परिवारों के सभी सदस्यों के शानदार पोषण का इंतजाम करेगी। ये परिवार दिए गए संसाधनों से अपने बच्चों की ठीक से देखभाल खुद ही करेंगे। जैसे गाय की देखभाल पशुपालक ही बेहतर कर सकता है, गौशाला नहीं, वैसे ही अपने बच्चों को मां से अधिक अच्छे से कौन खिला सकता है ?

23 साइंस, आर्ट्स, कोमर्स रो बराबर मान

राजस्थान में अभी सत्तर प्रतिशत से अधिक विद्यार्थी सीनियर स्कूल और कॉलेज में इतिहास, राजनीति विज्ञान और हिंदी साहित्य पढ़ते हैं। फिर बेरोजगारी नहीं फैलेगी तो क्या होगा? इसलिए अभिनव राजस्थान में हर सीनियर स्कूल में और कॉलेज में साइंस, आर्ट्स और कोमर्स की सीटें बराबर होंगी। मजबूरी में अब विद्यार्थियों को, विशेषकर लड़कियों और गरीब विद्यार्थियों को आर्ट्स से काम नहीं चलाना होगा।

सिलेबस में भी बड़ा बदलाव करेंगे ताकि व्यावहारिक ज्ञान ज्यादा हो।

ले देकर रोना व्याख्याताओं की कमी का होता है। हम विशेष भर्ती से यह कमी पूरी कर देंगे। शिक्षा और चिकित्सा के लिए ही फंड कम पड़ता है तो शासन का अर्थ क्या है? टैक्स फिर किस खुशी में जनता से लिया जाता है ?

24 लडकियां वास्ते खास बसां रो इंतजाम

अभिनव राजस्थान में ग्रामीण क्षेत्र की लड़कियों को सीनियर स्कूल या कॉलेज तक लाने ले जाने के लिए विशेष बसों की व्यवस्था होगी। यह व्यवस्था स्थानीय पंचायत संभालेगी। इस व्यवस्था पर कोई विशेष खर्च नहीं आयेगा। एक पंचायत समिति में एक साल में मुश्किल से दो करोड़ रूपये खर्च आएगा, जो इस पुनीत कार्य के लिए बहुत कम रकम है। ऐसा होने पर किसी भी ढ़ाणी या गाँव की बेटी अब इसलिए पढ़ाई बीच में नहीं छोड़ेगी कि उसके घरवालों को उसकी सुरक्षा को लेकर चिंता रहती है। लड़की घर से जाएगी और शाम को घर पर होगी। इस चिंता को वही समझ सकते हैं जो राजस्थान के गाँवों में रहते हैं। स्कूल की छात्राओं को साइकिल देकर राजी करने वालों को नहीं पता कि साइकिल से अधिक दूरी तय करना सुरक्षित नहीं लगता है।

25 कॉलेजां में चार साल रो एक सरीको कोर्स

कॉलेज में किसी एक विषय में ग्रेजुएशन होगा, तीन तीन में नहीं। हिंदी–अंग्रेजी अब कॉलेज में अनिवार्य विषय के रूप में नहीं पढ़ने होंगे। दसवीं तक ही ये विषय अनिवार्य होंगे, भाषा का इतना सामान्य ज्ञान बहुत है।

कॉलेज में सभी विषयों में एक समान चार साल का कोर्स होगा, चाहे मेडिकल हो या इंजिनीयरिंग या हिंदी, इतिहास, भौतिकी, खेल, संगीत, शिक्षा विज्ञान, कोई भी विषय हो। लक्ष्य एक ही होगा– अपने विषय में मास्टरी। तभी तो कोई उस विषय का सही ग्रेजुएट कहलायेगा। पढ़ाई में थ्योरी के साथ साथ प्रेक्टिकल पर पूरा जोर होगा, हिंदी हो या अंग्रेजी या इतिहास– भूगोल। चौथा वर्ष तो पूरा ही इंटर्नशिप का होगा। इसमें अपने सीखे गए ज्ञान को समाज की वास्तविकता से जोड़ने का काम होगा। बेरोजगारी छू मंतर !

26 किताबी पढ़ाई रे साथे कमाई और समाज रो ज्ञान भी

युवा कॉलेज की पढ़ाई के साथ कमाई भी करेंगे। उन्हे समाज और शासन में कई काम सौंपे जायेंगे जो अभी प्राइवेट एजेंसीज या एन.जी.ओ. को दिए जाते हैं। वे दो घंटे हॉस्पिटल में मरीजों का रजिस्ट्रेशन करेंगें, किसी विभाग में डाटा एंट्री करेंगे, जनजागरण के लिए ड्रामा करेंगे या सरकारी योजनाओं का प्रचार करेंगे। इसके लिए मिली सम्मानजनक राशि (रू. 5000/- प्रतिमाह) से वे अपनी पढ़ाई का खर्च निकाल लेंगे। इस 'पहली' कमाई से उनमें वांछित आत्मविश्वास भी जगेगा जो भावी जीवन को बेरोजगारी से दूर रखेगा। दूसरी ओर, कॉलेज में युवाओं को एक समृद्ध सामाजिक जीवन जीने का प्रशिक्षण भी दिया जायेगा। दादा-दादी का ध्यान कैसे रखें, पति-पत्नी के रूप में कैसे रहें, सास-बहू के मधुर सम्बन्ध कैसे हों, यह भी समझाया जाएगा।

27 हर साल दस हजार युवावां रे रोजगार री पुख्ता योजना

युवाओं को प्रत्यक्ष रोजगार और उत्पादन से जोड़ने के लिए प्रत्येक वर्ष में दस हजार करोड़ रूपये से एक योजना चलेगी। एक युवा को उद्योग लगाने के लिए एक करोड़ रूपये दिए जायेंगे। ये रूपये बैंक से नहीं बल्कि सीधे सरकार की तरफ से दिए जायेंगे। इसके लिए जमीन के कागज या कोई गारंटी नहीं देनी होगी। युवा का प्लान शानदार होने पर उसे तुरंत मंजूरी मिल जाएगी। चयनित युवा यह राशि वापिस सरकारी खजाने में पांच प्रतिशत ब्याज सहित जमा करवा देगा। युवा जूते, कपड़े, फर्नीचर, पेन बनाने, डेयरी, जैसे अनके काम करेंगे। डिजाईन और बाजार चीन की तरह सरकार उपलब्ध कराएगी। इसमें पुश्तैनी अनुभव को प्राथमिकता होगी। योजना में निष्पक्ष चयन और इसके सक्षम संचालन का फूलप्रूफ खाका तैयार है।

28 बाजार में आपणों माल, मिलावट सूं तौबा

अभी राजस्थान के बाजार में नब्बे प्रतिशत से अधिक माल प्रदेश या देश से बाहर का है। घर में कहीं भी झांको, माल बाहर से आया है– साबुन, चाय, चीनी, कपड़े, जूते आदि। इसका नतीजा यह होता है कि राजस्थान की पूँजी एक तरफा बाहर की ओर जाती है। अभिनव राजस्थान में हम समाज की कारीगर जातियों के लिए विशेष योजना बनाकर गजब की क्वालिटी वाला और उचित दर वाला माल अपने बाजार में भर देंगे। कुम्हार – सुथार–सुनार–दर्जी–रैगर–बुनकर–लुहार आदि को फिर से उद्योगपति बना देंगे। आज तक उनके लिए इस प्रदेश में सोचा नहीं गया है। ये लोग खड़े हुए नहीं कि दुनिया में चीन और राजस्थान का मुकाबला होगा।

हम बाजार को मिलावट से भी मुक्त कर देंगे। विश्वास और स्वास्थ्य दोनों के लिए।

29 एकदम कम लागत और कम रिस्क में खेती होवेली

अभिनव राजस्थान के बजट में से पहले तीन वर्षो में लगभग तीस हजार करोड़ प्रति वर्ष खेती के लिए विशेष रूप से रखे जायेंगे। जब ज्यादा लोग खेती में हैं तो उनके लिए बजट भी ज्यादा होना चाहिए। इस बजट में प्रति गाँव दो करोड़ रूपये औसतन रखा जायेगा। मिट्टी की जांच से लेकर फसल बेचने तक की व्यवस्था इस बजट से होगी। किसान को खेती शुरू करने के लिए जेब में हाथ डालने की जरूरत नहीं होगी। फसल का न्यूनतम भाव भी प्रदेश स्तर पर राजस्थान की सरकार तय करेगी। बाजार के भरोसे किसान नहीं होगा। फसल का बीमा भी इसी बजट से स्थानीय स्तर पर ही होगा और बीमा पूरा होगा। अभी की तरह की धोखे और लूट वाली व्यवस्था नहीं होगी।

30 ग्राम पंचायत रो मुख्य काम अब खेती हूसी

ग्राम पंचायतों का गठन 1959 ई. में खेती, पशुपालन और कुटीर उद्योगों को सँभालने के लिए ही हुआ था। ग्राम सेवक भी इन क्षेत्रों की योजनाओं को आमजन तक पहुँचाने के लिए नियुक्त हुए थे। पर समय के साथ साथ इन संस्थाओं का अर्थ ही बदल गया। ये संस्थाएं अब चुनावी दंगल या सड़कें बनाने तक सीमित हो गई हैं। अभिनव राजस्थान में पुनः राष्ट्रीय विकास के उस मूल भाव को स्थापित किया जायेगा और पंचायतों का मुख्य काम खेती–पशुपालन–कुटीर उद्योग – वन–पानी–सफाई की देखभाल और समाज कल्याण होगा। सड़कें और भवन बनाना अब फिर से सार्वजनिक निर्माण विभाग का ही काम होगा। लेकिन पंचायतों को अब भरपूर फंड दिया जायेगा। खा जायेंगे? ना ना, व्यवस्था बहुत अधिक पारदर्शी होगी। पैसा इधर उधर करने का कोई चांस ही नहीं होगा।

31 जैविक खेती पांच साल में हर खेत में हो जासी

स्वास्थ्य और पर्यावरण की दृष्टि से यह सभी मान चुके हैं कि मानवता और सृष्टि को बचाने के लिए जैविक खेती को ही अपनाना होगा। परन्तु इस खेती की व्यवस्था कैसे हो, इस पर अभी तक किसान, बाजार, समाज और सरकार के बीच सामंजस्य नहीं बैठा है। किसान अभी भी रिस्क लेने से बच रहा है। जैविक खेती में शुरू के दो-तीन सालों में लागत बढ़ती है। अभिनव राजस्थान में इस बढ़ी लागत को किसान के माथे नहीं डाला जायेगा। अभिनव कृषि के लिए चयनित गाँवो में किसानों को जैविक खेती करने पर एक निश्चित आमदनी की गारंटी दे दी जाएगी। तभी वे जैविक खेती को अपनायेगें। एक बार जहरीली खेती से जमीन का पीछा छुड़वाने की जरूरत है। केवल उपदेश देने से बड़े परिर्वतन नहीं हुआ करते है।

32 एक भी गाय क बैल आवारा नी घूमेला

गायों और बैलों का आवारा घूमना और प्लास्टिक की थैलियाँ खाते दिखाई देना हमारे समाज के माथे पर कलंक है। इस कलंक को अब सफलता पूर्वक धो दिया जायेगा। राजस्थान भर में पसरी गोचर और व्यर्थ भूमि का विकास करके पालतू और जंगली जानवरों के लिए भरपूर चारे की व्यवस्था हो जाएगी। हम इसके लिए नरेगा योजना को गोचर विकास से जोड़ देंगे। पशुपालक इन गोचरों में अपने पशु चरा सकेंगे। चारे की लागत कम आने पर दूध का धंधा भी शानदार हो जायेगा।

हम देशी नस्लों के विकास पर अधिक जोर देंगे और विदेशी नस्लों को धीरे धीरे राजस्थान से बाहर कर देंगे।

बैलों का उपयोग हम एक अद्भुत बिजली उत्पादन व्यवस्था के लिए करेंगे। ऐसा होने से ये फिर से समाज के काम आएंगे।

33 माँ-बेट्यां सुरक्षित महसूस करेला

यह सोचना ही दुखद होता है कि सत्तर साल देश को संभालते हुए हो गए और आज भी कोई अकेली लड़की रात हो जाने के बाद सफर करती है तो मां-बाप का जी घबराया हुआ होता है। बाहर गई लड़की घर आती है तो साँस में साँस आती है। लड़कियां सोच भी नहीं सकतीं कि लड़कों की तरह रात में बाहर घूम आयें। एक मानव दूसरे मानव से डरता है, इससे असभ्य बात क्या होगी? सुरक्षा के इस खौफ ने ही तो लड़कियों की संख्या में भारी कमी कर दी है। अभिनव राजस्थान में समाज में बड़े स्तर पर जनजागरण होगा। मोहल्लों से सन्देश दिया जायेगा कि अब लड़कियों को किसी से डरने की कोई जरूरत नहीं है। समाज का हर व्यक्ति एक पहरेदार होगा। तब जाकर इस बदले माहौल में प्रशासन भी सहयोग करने में कामयाब होगा।

34 समाज में अश्लीलता रो प्रदूषण कम करांला

आज समाज में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और तकनीक के नाम पर अश्लीलता कैंसर की तरह पसर गई है। मोबाइल, सिनेमा, नेट, टी.वी से या एफ.एम. रेडियो से अन्दर ही अन्दर यह बीमारी विकराल रूप ले चुकी है। युवा वर्ग विशेष रूप से इसका शिकार हो रहा है। एक तरफ शराब और ऊपर से अश्लील सामग्री ने युवाओं को रास्ते से भटका दिया हैं। समाज में बच्चियों से दुष्कर्म इसी वजह से होने लगे है। मानव मस्तिष्क का स्वभाव है कि उस पर वातावरण का असर पड़ता है। जैसा वातावरण होगा, वैसा दिमाग हो जायेगा। सब चाहते हैं कि इस वातावरण को बदला जाये, पर बदले कौन? अभिनव राजस्थान में सरकार और समाज मिलकर अश्लीलता और शराब से मुक्त एक सकारात्मक और स्वस्थ समाज बनायेंगे।

35 फिजूलखर्ची, शराब अने छुआछूत सूं समाज ने मुक्ति

राजस्थानी समाज में अब शादी आनंद का विषय न होकर टेंशन का विषय हो गई है। किसी परिजन की मौत पर भी, मौत का टेंशन कम और उसके क्रियाकर्म पर खर्चे का अधिक टेंशन होने लगा है। इन अवसरों पर फिजूलखर्ची परिवारों की गाढ़ी कमाई फूंक रही है तो उन्हें कर्जे में भी धकेल रही है। अभिनव राजस्थान में कुरीतियों और दिखावों के नाम पर होने वाली फिजूलखर्ची को रोका जायेगा। सभी जातियों के संगठनों से मदद लेकर समाज के समारोहों को सादा बनाया जायेगा।

साथ ही शराब पर भी पूर्ण पाबंदी होगी। हमें किसी भी कुतर्क के आधार पर परिवारों की बर्बादी का यह खेल नहीं चाहिए।

छुआछूत पर भी अब अंतिम चोट होगी। एक मानव दूसरे को छूने से या उसके घर खाना खाने से अशुद्ध कैसे हो जाता है ?

36 खूब खेलांला, नाचांला, चित्र बनावांला तो नशा रो नाश होसी

खेल और कला से ही समाज स्वस्थ और समृद्ध बनता हैं। ये समाज के गहने हैं। समाज की ऊर्जा है । इनके बिना समाज बेचैनी और बीमारी से भरा रहता है। नशा उसी का परिणाम है। इसलिए अभिनव राजस्थान में खेल और कला को हर स्तर पर जीवन का अभिन्न अंग बनाया जायेगा। खेल और कला बहुत महत्वपूर्ण होंगे। नगरपालिकाएं और पंचायतें इन कामों में सक्रिय भूमिका निभाएंगी। सुबह और शाम को जैसे समूचा राजस्थान खेल रहा होगा, नाच रहा होगा, गा रहा होगा, चित्र बना रहा होगा या कि कुछ न कुछ सजा रहा होगा। ऐसा होने पर राजस्थानी संस्कृति अपने चरम पर होगी, तो राजस्थान के खिलाड़ी भी ओलम्पिक में बहुत सारे पदक जीतकर भारत माता की झोली भर देंगे। नशे की लत पर भी तभी स्थाई चोट होगी। खेल और मनोरंजन से बेचैनी कम होगी।

37 खनिज आपणां, तो पईसा भी आपणां, साम्भर झील भी आपणी

राजस्थान की धरती के गर्भ में इतने अधिक खनिज छुपे हैं कि उनके उपयोग से और उनको सही कीमत में बेचकर हम पश्चिम या उत्तरी योरोप के किसी भी देश से ज्यादा मौज में रह सकते हैं। तेल –गैस , चूना पत्थर–जिप्सम, लिग्नाइट, क्या नहीं है हमारे पास। लेकिन गुलामी की मानसिकता के कारण हम आज भी अपने आपको बुरी तरह लुटवा रहे हैं। एक लाख का हमारा माल जाता है और हमें मिलते हैं, केवल बीस–तीस हजार रूपये। काहे की रोयल्टी ? हम नई खनिज नीति बनायेंगे और अपने खनिज अभियंताओं और खेत मालिकों पर भरोसा करेंगे। हम कुल माल का लगभग पचास–साठ प्रतिशत सरकारी खजाने में जमा करेंगे।

हम अब नमक के लिए मशहूर साम्भर झील को भी केन्द्र सरकार के अवैध कब्जे से छुड़ा लेंगे।

38 हरो भरो राजस्थान हूसी, नदी-तालाब-पहाड़ बचेला

अभिनव राजस्थान में वृक्षारोपण की अद्‌भुत योजना होगी। अब हर सड़क के किनारे, हर गाँव-शहर, तालाब-झील के चारों ओर, नदियों के किनारे, गोचर में और खेतों की मेड़ों पर पौधे लगेंगे। ऐसा होने पर वृक्षारोपण की सफलता का स्पष्ट अंदाज हो जायेगा। इनकी जिम्मेदारी अब स्थानीय ग्राम पंचायत और नगरपालिका की होगी।

अरावली और विन्ध्या को हरा भरा करने की जिम्मेदारी भी अब स्थानीय पंचायतों को दी जाएगी ताकि ग्रामीणों की आमदनी भी बढ़े और वृक्षों की सुरक्षा भी हो जाये। हर कि.मी. पर दो करोड़ खर्च करके तीन साल में राजस्थान की इन लाइफ लाइन्स को दुरस्त कर दिया जायेगा।

सभी नदियों और गाँव- शहर के तालाबों को जन भागीदारी से पुन: पेयजल और सिंचाई के लायक बना दिया जायेगा।

39 देशी पर्यटन पर जोर हूसी मेलाँ री रौनक लौटेली

हमें राजस्थान में हर साल आने वाले लगभग दस लाख विदेशी पर्यटकों की सुविधा के साथ लगभग पांच करोड़ देशी पर्यटकों का भी ध्यान रखना है। ये पर्यटक भी राजस्थान के बाजार में खूब रूपया डालते हैं और इस बात का हम सम्मान करेंगे। इनकी सुविधा के लिए मुख्य मार्गों पर हर पचास कि.मी. पर उचित लागत पर आधुनिक सुविधाओं से लेस एक केंन्द्र होगा। स्थानीय पंचायत और नगरपालिका इसकी देखभाल करेगी। राजस्थान में घूमने आना अब हर आम और खास के लिए आनंद से भरा अनुभव होगा।

राजस्थानी वेशभूषा, खानपान, संगीत, मेलों और उत्सवों को हम समाज में, शान से, स्थापित करेंगे। गैर, तेजा गायन, पाबूजी की फड़, बगड़ावत, हेला और दूसरे ख्याल फिर से बहुत अधिक लोकप्रिय बनेंगे।

40 खेजड़ली बणेला विश्व तीर्थ

जोधपुर के गाँव खेजड़ली में अमृता देवी के नेतृत्व में वृक्षों को बचाने के लिए 1730 ई. मे अप्रतिम बलिदान हुआ था। 363 परम वीरों का यह बलिदान पूरे विश्व में अनूठा था। मानव सभ्यता के इतिहास में ऐसा कहीं भी, कभी भी नहीं हुआ। हमें गर्व है कि राजस्थान में यह घटना घटी। इसलिए हम अभिनव राजस्थान में आने वाले हर देशी-विदेशी पर्यटक को यह स्थान सबसे पहले दिखायेंगे। राजस्थान के टूरिज्म मैप पर सबसे पहले इस स्थान का वर्णन होगा। पूरे विश्व को पता चलना चाहिए कि धरती को बचाने के लिए सबसे बड़ा सन्देश और प्रेरणा यहीं से मिल सकती है।

हम वन्य जीवों को बचाने और उनको बेहतर ढंग से सँभालने के लिए भी नए सिरे से काम शुरू करेंगे। इस धरती पर सभी जीवों का बराबर का हक है और उनके इस हक को अभिनव राजस्थान स्थापित करेगा।

अभिनव राजस्थान पार्टी

राजस्थान की अपनी पार्टी

राजनीति से... लोकनीति की ओर

पार्टी का सम्माननीय सदस्य बनने के
लिए अपना प्रतिष्ठित विवरण दर्ज कर दें।

www.abhinavrajasthan.com

अधिक जानकारी के लिए यहाँ देखे

www.facebook.com/abhinavrajasthanabhiyan
www.abhinnavrajasthan.org

अभिनव राजस्थान, आ तो जनता री जुबान,
आ तो जनता री जुबान।
सगला गावे एक ही गान, काईं युवा अर किसान,
अभिनव राजस्थान, आ तो जनता री जुबान।

खोल आँख्यां, खोल कान, देख परख, पाछे मान,
दे झटको, मिला ले तान, नीं तो जासी थारि शान।
अभिनव राजस्थान, आ तो जनता री जुबान।

बारूं आवे ए मेहमान, खोदे ए तो गहरी खान,
जे तूं लेवे अबके ठान, बंद हो जावे बा दुकान।
अभिनव राजस्थान, आ तो जनता री जुबान।

राजनीति है बेईमान, लोकनीति रो कर सम्मान,
थारो राज तू महान, शासन ने अब खुद रो मान।
अभिनव राजस्थान, आ तो जनता री जुबान।

आवे आंधी तेज तूफ़ान, म्हांका सपना भरे उड़ान,
दीखे सामे बो मैदान, जीमें अटक्यो सबको ध्यान।
अभिनव राजस्थान, आ तो जनता री जुबान।

ABHINAV RAJASTHAN PARTY

H-11/12, TRADE CENTER
2nd FLOOR, NEAR J. P. UNDERPASS, SAHAKAR MARG
JAIPUR - 302 015 (RAJASTHAN)
Email : abhinavrajasthanparty@gmail.com